

2026

HINDI — HONOURS

Paper : DSCC-5

[Hindi Sahitya Ka Itihas (Adikal Se Ritikal Tak)]

Full Marks : 75

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answers in their own words
as far as practicable.*

[हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)]

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

12×3

- (क) हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।
- (ख) आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
- (ग) संत काव्यधारा की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
- (घ) रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।
- (ङ) कृष्णमक्ति शाखा की प्रवृत्तियों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए :

7½×4

- (क) साहित्येतिहास में काल विभाजन एवं नामकरण का महत्त्व
- (ख) सिद्ध साहित्य
- (ग) सूफी काव्य
- (घ) अमीर खुसरो
- (ङ) रीतिकालीन नीतिपरक काव्य
- (च) तुलसीदास।

3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1×9

- (क) आदिकाल को बीज वपन काल किसने कहा?
- (ख) 'पृथ्वीराज रासो' किस कवि की रचना है?
- (ग) 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किस कवि को कहा जाता है?

Please Turn Over

(7038)

- (घ) हिन्दी साहित्य के इतिहास में किस काल को 'स्वर्ण युग' कहा जाता है?
- (ङ) रीतिकाल को शृंगार काल की संज्ञा किस विद्वान ने दी है?
- (च) 'कठिन काव्य का प्रेत' किस कवि को कहा जाता है?
- (छ) जॉर्ज ग्रियर्सन द्वारा रचित इतिहास ग्रंथ का नाम क्या है?
- (ज) 'हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास' पुस्तक किसकी रचना है?
- (झ) 'पउम चरित' के रचयिता का नाम लिखिए।

[(कठ काव्य का प्रेत) कवि का नाम लिखिए।]